यूहन्ना की तीसरी चिट्ठी

1युहन्ना की ओड़ तै: प्यारे ढब्बी,
गयुस कै नाम जिस ताहीं मैं सत्य म्ह हिस्सेदार कै रूप म्ह
प्रेम करूँ सूं।
2हे मेरे प्यारे ढब्बी, मैं प्रार्थना करूँ सूं के तू जिस तरियां
आध्यात्मिक रूप तै बढ़ोत्तरी करण लागरया सै, उस्से तरियां तै ए
सारे ढाळ तै बढ़ोत्तरी करदा रह अर सेहत का आनन्द उठान्दा रह।
3जिब म्हारे कुछ भाइयां नै मेरै धोरै आकै सत्य कै बाबत थारी
निष्ठा कै बारै म्ह बताया तो मैं भोत राज्जी होया। उन्नै मेरै ताहीं
न्यू भी बताया के थम सत्य के राह पै किस तरियां चाल्लण लागरे
सो। 4मेरै ताहीं न्यू सुणण तै घणा आनन्द और किसे म्ह कोनी
आन्दा के मेरै बाळक सत्य के राह का अनुसरण करण लागरे सैं।
5हे मेरे प्यारे ढब्बी, थम म्हारे भाइयां की भलाई म्ह जो
कीमे कर सको सो, उस ताहीं बिश्वास कै गेल्या करण लागरे
सो। हालाके वे लोग थारै खात्तर अणजाणे सैं! 6जो प्रेम थमनै
उन पै दिखाया सै, उन्नै कलीसिया कै श्याम्मी उसकी गवाही
दी सै। उसकी यात्रा नै बणाए राक्खण कै खात्तर कृपया उनकी
इस ढाळ मदद करणी जिसका समर्थन परमेसर करे। 7क्यूँके
वे मसीह की सेवा कै खात्तर यात्रा पै लिकड़ पड़े सैं तथा
उन्नै विधर्मियाँ तै कोए मदद कोनी ली सै। 8इस करकै हम
बिश्वासियाँ ताहीं इसे लोग्गां की मदद करणी चहिये ताके हम
भी सत्य कै बाबत गेल काम करणीये सिद्ध हो सकां।
9एक चिट्ठी मन्नै कलीसिया ताहीं भी लिखी थी किन्तु
दियूत्रिफेस जो उनका नेता बणणा चाहवै सै। 10ओ जो कुछ
हम कहवां सां, उसनै नीं मान्नैगा। इस कारण जै मैं आऊँगा
तो बताऊँगा के ओ के करण लागरया सै। ओ झूठे तौर पै भूँडे
शब्दां कै गेल्या मेरै पै दोष लगावै सै अर इन बात्तां तै ए ओ
संतुष्ट नीं सै। ओ म्हारे बन्धुआं कै बाबत आदर मान कोनी
दिखावै सै बल्के जो इसा करणा चाहवै सैं, उन्नै भी आंट लावै
सै अर उन्नै कलीसिया तै बाहरण धका देवै सै।
11हे प्यारे ढब्बी, बुराई का नीं बल्के भलाई का अनुकरण
करो! जो भलाई करै सै, ओ परमेसर का सै! जो बुराई करै
सै, उसनै परमेसर ताहीं कोनी देख्या।
12दीमेत्रियुस कै बाबत म्ह हरेक किसे नै गवाही दी सै। उरै
लग के खुद सत्य नै भी। हमनै भी उसकै बाबत म्ह गवाही
दी सै। अर थम तो जाणो ए सो के म्हारी गवाही साच्ची सै।
13तेरै ताहीं लिक्खण कै खात्तर मेरै धोरै भोत सी बात
सैं किन्तु मैं तेरै ताहीं लेखणी अर स्याही तै सब कीमे कोनी
लिखणा चाह्न्दा। 14बल्के मेरै ताहीं तो आस सै के मै तेरै तै
तावळा ए फेटूगां। फेर हम आम्मी-श्याम्मी बात कर सकांगे।
15शान्ति थारै गेल्या रहवै। तेरे सारे ढब्बीयां का तेरै ताहीं
नमस्कार पहोच्चै। ओड़े म्हारे सारे ढब्बीयां ताहीं निजी तौर
पै नमस्कार कहणा।

नोट्स